

①

अिनयुनायमेनमः॥ सुगेरतोअनिवात्मजु कृपिवहिणीचादक्षणाभुजु॥ उरुंठीतउत्तरदिसेउजु॥
 उदितउभाराहिला॥१॥ हायेअंजनिन्यांतेबाकु॥ पनविना तच्छदानकाकु॥ नणुसितुलीनामंदाचकु॥ नी
 उनिमहदांनरे॥३॥ जन्मजोवान्मरीचापोटि॥ परीशक्ति सुनेंदापरीसमेटि॥ समरंगनिनिशाचराच्याक्रेवि
 थिकलियानेवधिल्या॥३॥ हणुमंतातुल्यपुनुपार्थि॥ दुसराताहिनानापंथि॥ आठुलेभुजाबवेपालथि॥ पृथ्वीपा
 लुसके॥१॥ तोकपीचक्रयुतामनि॥ स्फुरदांगालाअंतकडरपी॥ तयासिउपमानदिसेवाणी॥ वीरामपाव
 ली॥५॥ सावीरूपोहअवनिगोकु॥ सासियानवायातिलमकु॥ वीरमपक्षकच्छदानकाकु॥ त्रुणसिखास
 मान॥६॥ अैसिभावनाधरीलिमनि॥ विपदेहेलपिलीदेनि॥ तैसमरगनेउन्मकुनि॥ कितेकजापोवक्र
 हणुमंतेकेलाचंउवाडु॥ नेपोगबालादिशाजाचामंदु॥ तमपाबलासंपुणमिदु॥ दिशाडुमदुमिल्या॥७॥ अ
 रामवेअिवेरण॥ सावेकेलेहरइस्मरण॥ जयावरीजानक्रेअंतःकर्पा॥ अमेअमरप्राये॥८॥ कृपिश्रेष्ठतोह
 णुमंतु॥ कैसास्वामिकार्याचाहेतु॥ उत्तरेउउलजकस्मातु॥ अवनिपांसुनिआक्रे॥९॥ स्फुरपोसर्वांग
 जालेधुबे॥ लांगुलममस्तकावरिवाइले॥ पाणिदयजाणिपाउले॥ अंतरीक्षसेपावति॥१०॥ ज्ञानाखरेग
 रणिसेपावतु॥ सागेअंगवायोसुउसडितु॥ पृथ्वीवरीरक्षअमतु॥ प्रबयकाळीजेसे॥११॥ हणुमंताअअंग
 वातेकरुनि॥ सुसांउदेलातेपोदिग्दणी॥ साहाप्रबयोभुतालागुनि॥ होउपाहिगा॥१२॥ अपारहानममार्गु

2

असाधारणहणुमंतवावेगु। गतिमउपमाद्यावयाचाप्रसंग। दिसतनाहि। १०॥ आइकडेसातोखगेम्बल। प
 क्षीपरीअंगनारेजेसामेक। साचियाउभयपक्षाचापसतु। योजणेद्वादशदोनि। १५। त्वोदाभुवणेज्याचेउदी
 मातुसाचावाहेपुष्टीवरी। जेसागरुउनपवेसरी। गतित्राकिसिबुलिना। १६॥ पद्मीनिचापरममित्रु।
 यावराचराचाजोनेत्रु। हिमानमाचाहतरात्रु। जाराजेजहरु। १७॥ गनुउयजुजयविरथी। सर्वदाप्रमेगा
 णपंधि। तुलीनासासुर्यापरीसपुरुषार्थि। हणुमंतजागवा। १८॥ आरंभलियामहाप्रबयो। ब्रह्मांडवि
 दारीनधावेवायो। साहुनिजतिवेगअंजनितपयो। सिद्धगतिजालुसे। २०॥ जानिखिनीचरीनारवचरु
 हणुमंतचेगतिमहदांतर। उपमात्यावयादेतेसावरु। जयातेउपणारेखा। २०॥ कर्मज्ञाणजेसाइंदी
 यदशकु। यावाहिजोमुख्यनायेकु। उपमंरहितयेगुप्रधिकु। मणजेसेनामत्याचे। २१॥ नीमिष्याचा
 लक्षवाभागु। ब्रह्मांडत्रमेजेसावेउ। ज्याचयापालडाचाप्रसंगु। क्षणक्षणाहोतुजसे। २२॥ जेमण
 होउनियाभापारी। चंचळक्षणाक्षणासीतरी। ब्रह्मांडायेकडोभरोवरी। जमित्यमापहेतजसे। २३॥
 जेसंकल्पसरीसिष्ट्टीप्यउ। आणीविकल्पेसेवेविमोडि। जथेजिनर्थि। त्यालीउडी। विवकाविवेकि।
 जीवात्मबासिअकस्मातमोहि। कर्मपंधेफारविनानादेहि। पउतिसौंमारकानाएहि। तेकारणमनाचे। २४॥
 मणविमोक्षहोयेसाधण। सनेचिकरुणीपविजेपनपा। कीर्तिजपकिर्तिपरिरेत्रिभुवण। तेमनाचेवैभव। २५॥

चडे

मणाचेनिधावेलामलोम ॥ मणाचेनिधावेरुभातुम ॥ मणाचेनिधावेगर्भिगर्भ ॥ देवपोष्यता ॥ २७ ॥ मणा
न्याव्यापाराविकरणी ॥ तेषेत्रिविधकर्माविलावणी ॥ स्याव्याफळगर्भिबिजस्वाणी ॥ सुखादुःखाभिया ॥ २८
कर्मासिमणहेनातळे ॥ तेषउलेचीकर्मपदिनफळे ॥ कर्मनक्रीनाजेकर्मिमणमीळे ॥ तरीतेफळेअवश्य ॥ २९
यदर्थिसाक्षवचणअसेयेक ॥ मणहेबोलिजेउरव ॥ कर्मबिजचतुरादिक ॥ बुसोलुकारेसे ॥ ३० ॥ उरवोके
चुनिबिजेपरीजे ॥ तेषेफळेकेवेपुढेपावोजे ॥ सुमिबीजपउलेनेपरीतांवोजे ॥ उरकमिबालियाफळे ॥ ३१
हेअबधअसेबोलेलोक ॥ तरिविदेहोकेजाजगणकु ॥ राज्यकरीनतोपुण्यस्त्रेकु ॥ सोगातितजाला ॥
जाताअसोहापालहाअप्रसंगु ॥ मणाचमयादेवेअचर ॥ तैसाचिहणुमंतुगगणामार्गु ॥ कर्मितसे
उत्तरे ॥ जाबुःप्लक्ष्याःक्रांचःकुस्यस्याम्बली ॥ अंसिनाहदिपेमागेपातली ॥ पुस्करबोलेतरीक्रमली
नाहिभुमिपरतीअसे ॥ क्षारःयुक्षरसःसुग ॥ तपिदधी ॥ असेलंपिलेपाचअब्धी ॥ यानैतरेकपीबब
निधी ॥ दुःधसमुद्रपातवा ॥ नमणीकृच्छगणेपविपक्षनाजु ॥ कीअस्ताचवामध्येजायउस्थानेजु ॥ तैसा
तोप्रभजंणात्मजु ॥ क्षिनाब्धीतिरोउत्तरला ॥ नारीभरलिआठयुगीका ॥ हणुमंतआलापयरात्रीन
ठाका ॥ मार्गुगगणेआलाअसका ॥ योजणेन्यारिकोठी ॥ कवणेकेलीगणानाहलुकी ॥ असेबोलिजेअप्र
स्थीकिं ॥ तरिअसेचीबोलीलावाल्मीकी ॥ विचक्षणीकोधावि ॥ हैसेदेरिबलामानससरोवर ॥ सुधा

3

रसापसिआलाअंउश्वरु॥ क्रीउपेणेपावलाचकोन॥ अमृतकरमंडळी॥ जैसीयापरीवायोकुमस॥ संतोशदे
 खानिदिरसागरु॥ ह्मणेमिधन्यधन्यथोउ॥ ओळियादेवअति॥ १०॥ रघुनाथान्यादाशेत्वेकननि॥ साहित्त
 मुद्देखिलेलेचनिसाहिदिपेनोतुकीमेदिनी॥ पाहातआलोमि॥ ११॥ यालागीसमथचियोगे॥ दुर्लभला
 मीजेप्रसंगे॥ जैसेपरीसानेनिर्मसने॥ लोहोहिरप्यहोय॥ १२॥ हासिरसमुद्रबहुनासिदुर्लभु॥ येथेनाहिला
 सेप्रिवच्छमु॥ पुर्वदेवेसपावलेलामु॥ चतुर्दशरसाचा॥ १३॥ मन्दाचळारिखीकेली॥ वासुगिन्यादो
 रेपरीवेळीली॥ हासिरसमुद्रमथुनिकाठिली॥ रत्नेजाइकडतुकी॥ १४॥ लक्ष्मी॥ कौस्तुभ॥ सुना॥ पा
 रिजातक॥ १५॥ धनवंतरी॥ कामगो॥ शंख॥ वात्रा॥ क॥ न॥ म॥ स॥ म॥ सु॥ म॥ श्व॥ ग॥ ज॥ ए॥ रा॥ व॥ ति॥ १६॥ पी॥ यु॥ वा॥ १७॥ ध॥ नु॥ वा॥ १८॥ वि॥ शं॥
 जैसिहेचतुर्दशरत्ने॥ सुवासुरिकाठिलीप्रयत्ने॥ जेतासिप्राप्तनेहियत्ने॥ केलीजीविलाहुनि॥ १५॥
 शीरसमुद्रमथावयामीनलेआत्मचाडा॥ तेशे॥ स्व॥ म॥ क॥ व॥ ल॥ नो॥ क॥ उ॥ ॥ जालाअष्टाचानिवाउ॥ केसाको
 णाकोणाचा॥ १६॥ ई॥ मा॥ प॥ रि॥ जा॥ त॥ क॥ रे॥ रा॥ व॥ ति॥ अ॥ म॥ र॥ ह॥ य्या॥ हा॥ जा॥ ली॥ ई॥ दा॥ सि॥ प्रा॥ प्ति॥ ना॥ हो॥ वि॥ क॥ र्वा॥ ग॥ हो॥ उ॥ णी॥
 हैति॥ म॥ दि॥ रा॥ धे॥ उ॥ नि॥ ग॥ ले॥ ति॥ १७॥ ल॥ ह्म॥ मि॥ शं॥ र॥ व॥ सारं॥ ग॥ कौ॥ स्तु॥ म॥ सा॥ च॥ हु॥ चा॥ वि॥ ष्णु॥ सि॥ जा॥ ला॥ ला॥ म॥ वि॥ शं॥ व॥ र॥
 प॥ उ॥ गे॥ शी॥ व॥ ल्ळ॥ म॥ सर्वा॥ म॥ ध्ये॥ हो॥ उ॥ नि॥ ठे॥ ला॥ १८॥ व॥ सि॥ ष्ट॥ काम॥ धे॥ नु॥ धे॥ उ॥ नि॥ गे॥ ल॥ उ॥ वि॥ अ॥ वा॥ सु॥ र्थ॥ न॥ धि॥ जु॥ ति॥ ला॥
 स्व॥ र्द्धा॥ वै॥ द्य॥ वी॥ च॥ रो॥ ला॥ ग॥ ला॥ चं॥ द॥ व॥ र्त्ते॥ र्ज॥ व॥ री॥ १९॥ आ॥ ता॥ अ॥ सो॥ तो॥ र॥ त्म॥ रा॥ म्भु॥ ह्म॥ मं॥ ते॥ पा॥ हो॥ नि॥ मा॥ नि॥ ला॥

३४

लामु॥ उपमादि जेत रिन भे नि न मु सु मु दे रि स मु द जै सा ॥ ७० ॥ ऐ तिया क्षी र सा ग ना चै पा री ॥ रा ग पा तुं वि
 त दो षी गी रि ॥ दि स ति ता त्रि चै व वै श्व री ॥ अग्नि शि त वा म य ॥ ७१ ॥ कौ टि ल्यु र्या वि क्रि षे ॥ का य उ व री लि ज स ति
 ना त यि ने ॥ कि प्र व् य आ ग्नी षो ठे विले ठे व षे ॥ अ सं मा व्य वि द्यु छ ता चे ॥ ७२ ॥ की मे रु अ धो पा रे अ मि ता ॥ ना त
 नी जं बु फ ल स री ना ॥ जै श्या प स र व् य दि व्य ल ता ॥ अ सं त अ म र्त ग म र्ति ॥ ७३ ॥ आ गि रि द या व रि न च्चा चै पुं जं
 पा शा पा तै से प ड ले स ह ज ॥ अ र्द्र त न या चे फा क्त र ते ज ॥ न क्क ते थे अ हो रा त्रि वि षे ॥ ७४ ॥ दि गो म ठे पृ थ्वी
 चै ह र्ये ॥ ते थे उ म ट ले कु चं द्य ॥ पा न्हा ये उ र्णो लि ट ले प य ॥ ते हा क्षी र शिं धु जाला ॥ ७५ ॥ का य उ प मा दि ष
 रो ही ज च व्वा ॥ स मु द न ह्ये क्ये का ह्नि आ ॥ अ नु पा क्क रा य्या के ठे मि श्री त क्क वा ॥ ऐ से सि त व्दो की ॥ ७६ ॥
 क्षी र सा ग रि वा सु क्रि जे वै कुं ठे ॥ आ सि क्क उ क्क रा णे अ चि त ने व वं ठे ॥ पा र विले पु य्या वि पि ठे ॥ कै वा स गि रि हु नि
 का य ॥ ७७ ॥ ऐ से ते गि रि च क्क चु ड म नि ॥ ते नी जै स वा रा प ति न र यो ॥ दे र्वो नि ह पु मं न म णि ॥ सं ते रा ला व हु न ग ॥ ७८ ॥
 नं द च व्वा परि स तो दो षा च लु ॥ दि व्य व द्धि क र णी पा ल्का लु ॥ सा प्र ति जा उ नि जं ज नि चा वा लु ॥ ओ रा धि ये
 ना जाला ॥ ७९ ॥ न व त्या ओ रा धि जं न न स जाली या ॥ जै श्या वि जु ल वो नि गे ली या ॥ क्क त्या प्र दि पि क्क वा वी सा
 ली या ॥ चं ड वा त्त म ध्ये ॥ ८० ॥ वि उ र्यो जा ली या स ह अ क्क ॥ जै श्या ग ग नि हा र प ति ता रा ॥ ते से दे र्वो नि क्क
 पि वी रा ॥ ओ रा धि गु स जाली या ॥ ८१ ॥ ऐ से दे र्वो नि ह पु मं नु ॥ अ सं त जाला यिं ता क्क तु ॥ जै सा अ र्थु हा र प व्वा

५

बहुनु। कुपणु दुस्वेदते ॥६३॥ या उपरि कपिते का चो ॥ धैर्यसंतुर्पमाहा बळी ॥ येवो निद्रोणा चळानळी
 उभाता हिवा वज्रांगी ॥६४॥ अगस्तिसमुद्राचेतिरि ॥ वामपा बळिचे मंडपदारी ॥ किंहु मंडळजारवरी ॥
 स्तिनोरुपराहो ॥६५॥ नाने कुठार पानि वंदनातळी ॥ क्रीतस्कुनुरहनां डारमंडळी ॥ नानासाधकुनीधा
 वाजवळी ॥ साधावया उभाताहे ॥६६॥ लंके रावना रिशैशियापरी ॥ नगासमुख वज्राहरी ॥ कार्याकार्यजवच
 शी ॥ बोलियाचकूजैसा ॥६७॥ लुणैगा कुळाचकूपति ॥ दिशाधवळलिया तुसेणी कीर्ति ॥ लुपर उपकारी धर्म
 मुर्ति ॥ पवित्रपिठतुसे ॥६८॥ लुगुणसमुद्राचे व्याख्य ॥ लुसुदर्यसहिते चैवेंडुर्य ॥ शुभरसाचे माधुर्य ॥ पर्व
 नवेशे ॥६९॥ लुये पृथ्वीचा अंबकाळ ॥ तुमर्वसिद्धिचरुत ॥ देवत्रयाचामनोहक ॥ हेरिबला सिडोबा ॥७०॥
 अगात्ममथद्रोणाचबा ॥ म्याप्रत्यक्ष हेरिबला सिडोबा ॥ सर्वहियानक्षत्रमाबा ॥ लुसीप्रदक्षणा करीति ॥७१॥
 देवादेत्याचे अिगुरु ॥ बुद्धराजांक सत्प्रकरु ॥ सुमितनमोजपायग्रहोथे ॥ साहोकेतुदेवि ॥७२॥ जैसिन
 वग्रहानिपंक्ती ॥ जे बिम्बाने शुभाशुभ देती ॥ लितुजप्रदक्षणा करीती ॥ अंतरिक्षज होरात्री ॥७३॥ अगातु
 सीसुतिकरणो ॥ बोलिजेति तुकेउपो ॥ सुर्यबिंबउउपो ॥ कासियाचला विले ॥७४॥ अमलासिद्धिती ह्मणजे
 गोउ ॥ रागणातिकीतिकरावेउ ॥ येपृथ्वीसत्तावावेपाउ ॥ कोणकोणाधैर्यचे ॥७५॥ परिसविज्ञापणाआता
 विलंबहोनसे बहुबोलता ॥ बाताहरीमासीचिंता ॥ ज्याकारणे येथे आलो ॥७६॥ योगेश्वराचा जो रश्मरु

48

त्रिरामसप्तमभवतातु ॥ सवित्रिरत्नरशिशितु ॥ लंकेचायेउनिगेल ॥ ७५ ॥ सविजसाधारणवैभव ॥ खं
 रिधातलेसकवदेव ॥ स्यापसिसैयकवीरपुंगव ॥ अंतकासमापते ॥ ७६ ॥ वैरीयविजधिकबोलने ॥ हेआ
 पुलेसहजचिउपो ॥ असोयाउपरीसितारमने ॥ कृपिचकेशिचालिकेली ॥ ७७ ॥ सागनुशिखीबांधोनिगेल
 कोव्याणकेडिराक्षेसवधिले ॥ सविओणितचेसंगामजले ॥ लवणाभ्यमित्ये ॥ ७८ ॥ इंदजीतनामातेता
 वणी ॥ तेषोकपटविर्येनिजबाणी ॥ कृपिचक्रपाडिलेणी ॥ त्यकयेकुविउ ॥ ७९ ॥ स्याचियाउपचाराकारणे
 जौत्राघिसंगितत्मासुरवेणे ॥ ह्मणउणीतुजपसिजलियेणे ॥ योजणेव्यारिकेडि ॥ ८० ॥ आनासर्वथाविलेकु
 नलवि ॥ न्यासिजौत्राधीमजराणदेर ॥ कार्यनासक्यावगोयारबी ॥ उत्रिमधेगेलेपाहिजे ॥ ८१ ॥ तीशैल्यद्र
 रणोजानिसंधीनी ॥ सुवर्णकृपीजाणोचोधिसेजवणी ॥ थ्यादेवज्ञोत्रिमुवनि ॥ किर्तिउरवीजापुवी ॥ ८२ ॥
 जैसेबोलेलेहणुमंतु ॥ परिसोनिहाश्यकरीपवतुपुणोवोन्नरातुमुर्वबहुतु ॥ देखिलासिजाजी ॥ ८३ ॥
 कैचारावपुकेचतोरामु ॥ कैचिसिताकैचासैयमु ॥ कैचातुआलासिपल्वंगमु ॥ अमृतवस्त्रीमगे ॥ ८४ ॥
 सांडुनिसुर्यमंडबा ॥ जातिब्रह्मांडाबाहिरकबा ॥ तरीहोतिमजवेगव्या ॥ बस्त्रीचासुमुहो ॥ ८५ ॥ खचर
 पुचरकुर ॥ मजजाअउनिअसतिअपार ॥ तैसेतुहियेकवानर ॥ येथेसुरवेराहे ॥ ८६ ॥ जैसेबोलेदोणपव
 तु ॥ जोनिजउपमुनीचंतु ॥ परिसोनिकोपाउकहणुमंतु ॥ उन्नरदेताजाला ॥ ८७ ॥ ह्मणोकीबासकैचेपु

5

पुरुषधैर्यं॥ निपादिकाकैचेसुंदर्यं॥ साहामुठासकार्यकार्यं॥ विचालकैचहृदर॥ ६०॥ सर्पसिकैचि
 विक्षमा॥ नास्पमातेकैचिजगीमहिमा॥ पक्षीयामधेकाकुपापात्मा॥ स्मसितुचिकारसि॥ ६१॥ जुतक
 कैविससवाचा॥ हिमकासीकावावादेवाचा॥ त्रीसकामोपनांतिवा॥ संकन्मुकरानुठी॥ ६२॥ मंहीया
 कैवितत्ववीना॥ सर्वस्वकायदेववेजदत्ता॥ जैसेपरदुश्वकैचेपर्वता॥ जोपात्राणगर्भु॥ ६३॥ ह्मणोनिरेतु
 गीरीदोणुयेथार्थहृदईपात्राणु॥ तुजरयोकैचिमहातरणु॥ अधमाजधमुतु॥ ६४॥ घाण्याचिभुमिजंक्र
 रलेबिज॥ उणेबाळकउन्मवीसहज॥ पुढेउन्मडुनिसेवुज॥ निमिशार्धनेईण॥ ६५॥ जैसेबोलिलवि
 तुगाठा॥ करकरामुविवाजविलादाठा॥ लांगुवेवाउन्मयातगवेठा॥ दोणाखळावेष्टित॥ ६६॥ काळपा
 शबसेगतायुशाचेकंठी॥ कविधानकुंमभुजगोदपतीमठी॥ लानामंदाचळावरीवेठी॥ वासुगीवि
 पडली॥ ६७॥ हणुमंतुजेत्रियापरी॥ पुढेवेठिलज्जेपागिरी॥ तोविस्तिर्पाजसेचौपरी॥ सहअयेक्यो
 जणे॥ ६८॥ जाळीतफळपडेभुमंडळी॥ देखोनिपक्षीचंचुउटेकवळी॥ उडापाकरीगगपापोकळीपनीचेआ
 श्रमाप्रति॥ ६९॥ तयापरीविरहणुमंतु॥ कृपिचक्रुडामनिरामदुतु॥ पुढेउन्मडुनियपर्वतापरतलाग
 मनपथे॥ ७०॥ अपारक्रमितनप्तमार्गु॥ अहृतउन्मडुनीकेगु॥ जैसाकरीतसेपाठीलागु॥ पुढेजातयाम्पणावा॥ ७१॥

58

लांगुळे वेढील दोणाचु। सहअयोजनावा विरावु। अक्लेषे अंजनिचा बावु। पुष्पप्रायनेतसे। १७२। ज्या
 पर्वता वरीनानावणे। लंदणावणापरीसमहीमाणे। सरितानडागतेथे विवणे। अगाधमृतोपेंम्या। ३। जळचरे
 वणचरेविहंगम। अमिस्यविचरतिजातोत्तम। तपोनिधिवेवहुतजाअम। अलोलिकरमवीये। ४। पाटावावरी
 सुशिश्वरेगुल्मे। उंचअपुर्वस्वगेपिम्ये। तेथेप्राणीवसतियानेसुक्रमे। बहुतजन्मीपडली। ५। जैसातोमहा
 पर्वतु। साच्यामाराविकायक्रिजेमात। अनुभवियेकहणुमें। पुढेबांधोनिनेतुअसे। ६। वरीलियाओर
 धिचिसाडे। जैसिलरवलरवानजुंबाडे। उजवलीनेनेउपोयेडे। दिशाविवरनेभ्वेनदिसति। ७। लंधी
 ठीराटकदीपांतरे। लंधिलीकुळाचवत्रिरव। उजवलीनेनेउपोयेडे। दिशाविवरनेभ्वेनदिसति। ७। लंधी
 कपीकडकराशीरि। लांगुळेबांधोनिदोणागिरि। तेंगेजोराधधापरिमळु। कपीकटकावरिगेला। ८। त्यासुवा
 योरांधेकरुनि। स्पृशसकळवाहनि। उजलेपरमानंदमनि। अपुर्वजैसेवर्तले। ९। निजातमदेत्रोकडनि
 प्राणी। अपुललेस्वस्थानि। निदीस्ततेसुर्येदयोमनि। अपुर्वस्थेतिपावति। १०। तैसेकपीचक्रसर्वहि। उ
 ठीनिजालेदिव्यदेहि। जीपत्विचासांडितिअहि। तुतनागेपावति। ११। संजीवनीयासंजीवकेले। निज्ञेअ
 करणीनिज्ञेअजाले। लंधीनीयाविकळांगसादीले। सुवर्णियाकेलेदिव्यदेहि। १२। जैशास्यादिव्यजोराधि।

१२

6

वानखेथारहितसुगंधि॥ जालेजाणील्लपानिधि॥ जणुजासहितउठला॥ १५॥ साजौशधिचाप्रमा॥ सुमंडव
पावलेशोन्ना॥ विरेवीराहिलाउन्ना॥ पाहोलागलेशोणाचव्ळा॥ १६॥ चकोसिगोमांडव्ळा॥ पसकाळु॥ जा
पोणचंद्रआलासाचाळु॥ तैसादेरिवलाशोणाचव्ळा॥ वानंरकटके॥ १७॥ जैसेदुर्मिस्वकाळी॥ सुधेल्माचे
त्रुपीलागीग्रामाजवळी॥ अमृतसागडुलोठलासुमंडव्ळा॥ अकस्मानअसंभाव्य॥ १८॥ सुद्रुद्रुक्रवियोगे
आवर्षणा॥ ज्ञानकाचेसुंदलेजीवणे॥ त्याचेत्रुशेलागीउपणे॥ जामुतिनेसुमिकेले॥ १९॥ कीदरीदसुत
याग्रामारवरी॥ कल्पतरुजोनमायेअंबरी॥ चल्पीलिफळेज्ञारवापररी॥ त्यावयाआलाजसे॥ २०॥ जैसि
यापरीमध्याणरात्रि॥ वीरीदेरिवलाशोणादीननिवरीलवडीचेणेतेजेधरत्रि॥ वोसंडिअसंतजाली॥ २१॥
आनंरपावलेकपीदळ॥ वेथेनेलंपिलेदिसुमंडव्ळा॥ यउरीहणुमंतनात्काव्ळा॥ पुढेगुंडाळिलापर्वतु॥ २२॥
नीजवक्तिनिजसामर्थे॥ पुणरपीनियालारणपंथ॥ सिराधीपारीहोताजेथे॥ जेचस्यानिटेविला॥ २३॥
समर्थपासुनिचाउयस्तु॥ जायेजचेउनिवस्तु॥ कार्यजालीयानेठनिदिजेहस्तु॥ उचलुनिआररे॥ २४॥
तयापरीहणुमंतेतेणे॥ शोणाचव्ळाआपिलाकारणे॥ पुणरपीसिरविंधुचेठेवणे॥ स्पीरशिंधुसीटे
विले॥ २५॥ जैसेकरुनियामारुनि॥ परतलामानसगति॥ उदयाचंळारुठगनस्ती॥ तेकाळीलंकेसिजाल
समुदीमिबालाशोणासजु॥ कियणमंडवीदारात्काळीचाचंडु॥ नातोइंदियाचाजोइंदु॥ प्रियवस्तुमध्येअक्षय

68

किं कुसुमवनात आलावाब्दु। किं गनोदरी मरुतावाद्दु। नानाविशुचेवासेस्तववेद्दु। विरंचिहर्ष
 प्रवेरो। २६। जैत्रियापरीप्राथकावो। सारुतिप्रवेरोकपीमंडळी। पुर्णकळामुरवमंडळी। पौर्णिमेच्यते
 मासमा। २७। अवश्वरुजालाजाणकिवच्च। तवहणुमंतुपुढेनाहिलाउसा। सुखकमळीपुर्णकळी
 सा। रघुनाथासन्मुरव। २८। विश्वपावेनिविचाअंतु। तवसुर्योपुर्वेजकस्मातु। बीबैतैसाहणुमंतु। वि
 रमंडळीदेखिला। २९। प्रीतिपात्रासिवादेवागमनजाले। स्यातेजकस्मातयेणेपडले। तैसेनरवैंदुर्यदेखा
 लेहणुमंतुसिउळी। ३०। तैसिचत्रिस्वामिचिपाडले। सारुतिसदेखणेपडले। जैसेलोभियाणेआपु
 ली। मिधाणन्याहाळीजे। ३१। हणुमंतैतयप्रसंगी। परमासन्मुरवसचारंगी। चध्यांजुळीकुरुणीसास्यो
 गी। तमस्कानुपातला। ३२। तवपटत्रोत्रारिजाल। कलनापहणोधव्यधन्यगारवसुव्यसुना। अस्तनेत्रमे
 ळकांतविचरिता। तुजतुल्यनास्तिनास्ती। ३३। तुस्यैकउपकारासादि। आत्माहातुबीजेपालवी।
 तरीउपकाराव्याकरीसिकोटी। तेथेअस्तेइतुकेवे। ३४। आत्मायेकुकितियेनास्ति। जैशोवरनिवेदयति
 नानापटियेकुनपुनैसिगति। येकात्मयानानदेहि। ३५। आत्माआचगेलाहेजबध। अखंडितचिदानंदि
 तुपशुध। पारवांउमत्तेनानविध। परमार्थवादेमिथ्या। ३६। कुसुमज्ञानापरीक्षी। कोलिजेप्रसंगीचिसाक्षी।
 जैसेयेकेपाटीजळनानावृक्षी। व्यापकरधीलागी। ३७। जैगेपुस्यफळेपत्रे। मीननरसिमीनचित्रेविचित्रे

7

तैसे धीन देहि प्राण कर्म सुत्रे सीन भिन्न फले नोगिति ॥ १०० ॥ अनाहा प्रसंगु अ सो हणु मंता ॥ तु सर्व चा प्रा
 णसाता ॥ तु से किर्ति विनु चिराता सुधा करा जि को न ठेती ॥ १०१ ॥ असे पु उरी कनयने क दावतार गोर विला पि
 युष्य वचणे ॥ तव वात पत्नी गर्भ रते वाग पुस्पे समर्पिजे ॥ १०२ ॥ असे जी उ च मोत्त मा गुण स पं च्चा ॥ ही ति पा
 व व क बु उ र्ना ॥ सुणी वर ह रये मं दि रनी धाना ॥ ती रो प म गान री दा ॥ १०३ ॥ अ सं द म्या सि को लु के च को पा हि
 पाठ वि जे नानु के ॥ को सूर्या करणे पुं उरी के ॥ अ हु त गु पी बो धि ते ॥ १०४ ॥ जी व ण ध रा सि ष्या त के ॥ पु णा ह री ली
 रा णो दे के ॥ को व से क्षि रे बा व के ॥ ज न नी सा जी व वी ले ॥ १०५ ॥ अ से मं ग व ज न नी जा प्रा ण ना था ॥ दे खि ले ना इ
 की ले स म र्था ॥ न ये उ म्या तु ह्मा उ प का तु की जे हे र्था ॥ सु क त चे वि म ते ॥ १०६ ॥ अ से स्व ये बु उ ति बु उ वि ति आ नि
 का ते ॥ ले ज व नि धि म ध्ये न व वे नि ह स्ते ॥ त र ले न री व आ मु ने ॥ ती त व प्र ता प म हि मा ॥ १०७ ॥ अ से दो णा
 च व ह र णु बो ली ला ॥ प र मा नं दे वा नं दे उ व व व ला ॥ स री सा सु ग्री वे प्र यो ग के ला ॥ अ से गानु सा र ॥ १०८ ॥ अ णे
 सूर्य प्र ता पा चे नि प्र सं गे ॥ त ले जो बा दे र वि ज त नी ज गे ॥ ती र वी मे तु आ उ गे लियामागे ॥ वि म्ब अं ध क री प डे ॥ १०९ ॥
 तै से ह णु मं ता चे नि प रु षा र्थे ॥ स री सी क री ने सा म र्थे ॥ ह णु मं ता वे ग की वे र्थे ॥ वै न वे आ मु वि ॥ ११० ॥ कैं सा क
 ठी णा का बु व र्त ला ॥ ये स म इ ह णु मं तु हे ना न ला ॥ च री हो दु स रा ज न्म जाला ॥ ल क व क पी वृ क्षा ते ॥ १११ ॥ ये क



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com